Bihar Board Class 7 Social Science Geography Notes Chapter 5 बिन पानी सब सून

पाठ का सार संक्षेप

ऐसी आशंका है कि आनेवाले दिनों में पीने योग्य पानी की भारी कमी हो सकती है । वैसे देखा जाये तो पृथ्वी का 71% भाग पानी से ढंका है, किन्तु वह पानी इतना खारा होता है कि उसे हम पी नहीं सकते । पृथ्वी पर मात्र 0.3% ही पानी ऐसा है, जिससे हम अपनी प्यास बुझा सकते हैं और अन्य कार्यकलाप सम्पन्न कर सकते हैं ।

इसके अलावा जो पानी है वह ऐसे स्थानों पर है, जिसका दोहन हम नहीं कर सकते । ऐसी स्थिति में पानी को बचाकर ही उपयोग करना बुद्धिमानी है । पृथ्वी के अंदर का पानी नीचे भागा जा रहा है। यदि वर्षा जल को हम किसी हिकमत से जमीन के अन्दर पहुँचा सकें तो सबके लिये अच्छा होगा । हम देखते हैं कि वर्षा जल यों ही बहकर समुद्र में चला जाता है । हमें इसे किसी प्रकार रोकना चाहिए । जो पानी तालाबों, गढ्ढों आदि में जमा होता है, वह भी सूर्य के प्रकाश से सूख जाता है

इस कारण हमें चापाकल या कुएँ के पानी को इस हिसाब से व्यय करना चाहिए कि उसकी बर्बादी नहीं होने पाये । शहर में नलकों द्वारा पानी वितरित किया जाता है । हमें इसे भी बचाकर व्यय करना चाहिए ।

वाटर हार्वेस्टिंग प्रक्रम द्वारा हम भूमिगत जल को बचा सकते हैं ।
तात्पर्य है कि हमारे द्वारा उपयोग किया गया पानी किसी प्रकार पृथ्वी के अन्दर पहुँचा दिया जाय । इससे पृथ्वी के अन्दर जल की कमी नहीं होने पायेगी।

भारत में अनेक झीलें हैं, जिनका पानी मीठा होता है । लेकिन इन झीलों का लाभ यहाँ के निवासियों को ही मिल पाता है । कुछ झीलें नमकीन पानी भी की हैं, जिससे नमक बनता है । समुद्र के जल से नमक तो बनता ही है।

https://www.evidyarthi.in/